चिरबोधिनी

संयुक्तांक : 2005 से 2019

स्व0 चन्द्र सिंह शाही राजकीय महाविद्यालय
कपकोट (बागेश्वर)

संरक्षक

डॉ. ए.के0 जोशी, प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

डॉ. नीता शाह

सहयोगी सम्पादक

श्रीमती ममता सुयाल (कला संपादक)

एल्बा मंड्रेले (सहायक संपादक)

कंचन मिश्रा (छात्रा संपादक)

मुद्रक

उत्तरायण प्रकाशन, हल्द्वानी

आवरण डिजाईनिंग

सुधांशु भट्ट

प्रकाशन वर्ष : 2019

शुभकामना संदेश

डॉ. धन सिंह रावत
राज्य मंत्री (स्वतन्त्रता प्रभार)
उच्च शिक्षा, सहकारिता, प्रोटोकाल,
दुग्ध विकास

उत्तराखण्ड सरकार

विधान सभा भवन
देहरादून
कक्ष सं. : 115
फोन : (0135) 2666410
फैक्स : (0135) 2666411 (का.)

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि स्व0 चन्द्र सिंह शाही राजकीय महाविद्यालय, कपकोट, उत्तराखण्ड द्वारा वार्षिक पत्रिका **''चिरबोधिनी''** का प्रकाशन किया जा रहा है। आशा करता हूँ कि पत्रिका अपने उद्देश्य में सफल होगी तथा इसमें ज्ञानवर्धक एवं सारगर्भित पाठ्य सामग्री का समावेश होगा। पत्रिका के माध्यम से छात्र/छात्राओं को अपनी अभिव्यक्ति के अवसर भी प्राप्त होंगे। पत्रिका का प्रकाशन समाज के बौद्धिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्र निमार्ण की प्रगति में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा तथा पत्रिका जन सामान्य के लिए मार्ग दर्शक का कार्य करेगी।

स्व0 चन्द्र सिंह शाही राजकीय महाविद्यालय, कपकोट उत्तराखण्ड की **''चिरबोधिनी''** के सफल प्रकाशन के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य, सम्पादक मण्डल, प्राध्यापकगण, कर्मचारियों और छात्र/छात्राओं को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनायें।

आपका,

(डॉ० धन सिंह रावत)

शुभकामना संदेश

बलवन्त सिंह भौंर्याल
विधायक कपकोट
जनपद - बागेश्वर
मो. : 9412094529
ई-मेल : balwantbhauryal@gmail.com

सदस्य विधान सभा
उत्तराखण्ड

कार्यालय :
विधायक निवास,
कक्ष सं. 21, रेसकोर्स, देहरादून
निवास : ग्राम कुरोली नांकुरी
पो. सनेती,
तहसील दुग नांकुरी
जनपद - बागेश्वर

महाविद्यालय के महत्वपूर्ण रचनात्मक परिवेश से "**चिरबोधिनी**" पत्रिका का प्रकाशन समाज के बौद्धिक ही नहीं आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्र निर्माण के प्रगति क्षेत्र में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मैं हृदय की गहराई से इस दूरदर्शी राष्ट्र निर्माण के परिश्रमी कार्य हेतु महाविद्यालय के सम्पादक मण्डल को बधाई देता हूँ और पत्रिका के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। यह सराहनीय प्रयास सबके लिए प्रेरणास्रोत साबित होगा।

(बलवन्त सिंह भौर्याल)
विधायक, विधान सभा क्षेत्र कपकोट
जिला - बागेश्वर।

शुभकामना संदेश

डॉ० बी.सी. मलकानी
निदेशक (उच्च शिक्षा)

उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड
हल्द्वानी (नैनीताल) पिन - 263139
फोन नं० 05946 - 240555, 240666, 240777
Mail-higherducation, director@gmail.com

महोदय,

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि आपका महाविद्यालय अपनी वार्षिक पत्रिका "**चिरबोधिनी**" का प्रकाशन करने जा रहा है।

मुझे आशा है कि वार्षिक पत्रिका में ऐसी महत्वपूर्ण, ज्ञानवर्धक एवं सारगर्भित पाठ्य सामाग्री प्रकाशित की जायेगी जिससे छात्र-छात्राओं का सही मार्गदर्शन होगा और उनके जीवन-दर्शन, कार्य-संस्कृति और अध्ययन-रूचि में आवश्यक रचनात्मक बदलाव आयेगा। छात्र-छात्राओं को अपनी अभिव्यक्ति को व्यक्त करने का अवसर प्राप्त होगा एवं उनके व्यक्तित्व विकास में सहायता मिलेगी।

"**चिरबोधिनी**" पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य, सम्पादक मण्डल, प्राध्यापकगण, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

(डॉ. बी.सी. मलकानी)

शुभकामना संदेश

डॉ० सुरेश चन्द्र पन्त
निदेशक (उच्च शिक्षा)

उत्तराखण्ड सरकार

उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड
हल्द्वानी (नैनीताल) पिन - 263139
Mail-higherducation, director@gmail.com

महोदय,

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि आपका महाविद्यालय अपनी वार्षिक पत्रिका "**चिरबोधिनी**" का प्रकाशन करने जा रहा है।

मुझे आशा है कि वार्षिक पत्रिका में ऐसी महत्वपूर्ण, ज्ञानवर्धक एवं सारगर्भित पाठ्य सामाग्री प्रकाशित की जायेगी जिसमें छात्रों का सही मार्गदर्शन होगा और उनके जीवन-दर्शन, कार्य-संस्कृति और अध्ययन-रूचि में आवश्यक रचनात्मक बदलाव आयेगा। छात्र-छात्राओं को अपनी अभिव्यक्ति को व्यक्त करने का अवसर प्राप्त होगा एवं उनके व्यक्तित्व विकास में सहायता मिलेगी।

"**चिरबोधिनी**" पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य, सम्पादक मण्डल, प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को मेरी हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

मंगलकामनाओं सहित।

(डॉ० सुरेश चन्द्र पन्त)

शुभकामना संदेश

इस महाविद्यालय में प्राचार्य का दायित्व प्राप्त करने के पश्चात् महाविद्यालय हेतु जो भावी कार्ययोजना मेरे मस्तिष्क में थी उसमें प्रथम बार महाविद्यालय की पत्रिका का प्रकाशन किया जाना सम्मिलित था। अपने सहयोगियों एवं विद्यार्थियों से इस सम्बन्ध में मेरे द्वारा अनेक बार किये गये आग्रहों एवं पत्रिका की प्रधान सम्पादक डॉ. नीता शाह व संपादक मंडल के सदस्यों के परिश्रम के फलस्वरूप प्राय: दो वर्षों के दीर्घ अंतराल के बाद पत्रिका के प्रवेशांक को प्रकाशन हेतु भेजा जाना संभव हो सका। **'चिरबोधिनी'** में प्रकाशनार्थ प्राप्त रचनाओं हेतु अपने सहयोगियों व विद्यार्थियों का मैं आभारी हूँ। मुझे विश्वास है कि पत्रिका के इस प्रवेशांक के साथ संपादकमंडल नियमित रूप से आगामी प्रत्येक सत्र में विद्यार्थियों को महाविद्यालय पत्रिका उपलब्ध करेगा और इस हेतु उन्हें निरंतर अभिप्रेरित भी करेगा। पत्रिका हेतु जिन महानुभावों के सन्देश व शुभकामनाएं प्राप्त हुई हैं उन सभी के प्रति मेरा आभार एवं नमन।

महाविद्यालय पत्रिका प्रकाशन का प्रयोजन विद्यार्थियों को लेखन हेतु प्रेरणा देकर उनकी रचनात्मकता एवं सृजनशीलता को उजागर करना है। विद्यार्थियों से यह आशा करता हूँ कि वे अपने समाज, शिक्षा, अर्थ, धर्म, दर्शन, साहित्य, संस्कृति, कला, पर्यावरण, विज्ञान एवं तकनीक आदि विविध क्षेत्रों में चिंतन करेंगे। चिंतन उपरान्त प्राप्त उनके विचारों को रचनाओं के रूप में संपादकमंडल द्वारा महाविद्यालय पत्रिका के आगामी अंकों में प्रकाशित किया जाएगा। महाविद्यालय के स्थापनावर्ष से लेकर वर्तमान तक गतिविधियों का सार संक्षेप पत्रिका के प्रवेशांक में सम्मिलित है। **'चिरबोधिनी'** के आगामी अंकों में प्रकाशित होने वाली रचनाएं उत्तरोत्तर अधिक मौलिक, परिष्कृत एवं उद्देश्यमूलक हों, हमारा यह प्रयास होगा। पत्रिका के परिष्कार सम्बन्धी सुझावों का सदैव स्वागत है।

(डॉ० अवनीन्द्र कुमार जोशी)

प्रधान सम्पादक की कलम से-

स्व0 चन्द्र सिंह शाही राजकीय महाविद्यालय कपकोट (बागेश्वर) की वार्षिक पत्रिका '**चिरबोधिनी**' का संयुक्तांक (स्थापना वर्ष 2005 से वर्ष 2019) प्रथम बार पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अपार हर्ष हो रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 ए0के0 जोशी जी, जिन्होंने पत्रिका के सम्पादन का गुरुतर दायित्व हमें सौंपा, के प्रति हम हृदय से आभार व्यक्त करना अपना पुनीत कर्तव्य मानते हैं। किसी भी शिक्षण संस्थान की सृजनात्मक गतिविधियां उसको जीवंतता प्रदान करती हैं। एक महाविद्यालय के लिए इस प्रकार की पत्रिका निश्चित ही उसके शैक्षणिक एवं सृजनात्मक गतिविधियों का दर्पण होती है। दूरस्थ ग्रामीण अंचल के मध्य अवस्थित महाविद्यालय की स्थापना से लेकर आज तक की सभी स्वर्णिम स्मृतियों, छात्र/छात्राओं की रचनाशीलता, कल्पना के इन्द्रधनुषी रंगों एवं विद्वान शिक्षक वृन्द द्वारा उपलब्ध कराई गई रचनाओं ने इस पत्रिका को आकार दिया है। इसके लिए हम शिक्षकों, छात्र/छात्राओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के आभारी हैं, जिनके प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष सहयोग एवं योगदान से ही इस पत्रिका का प्रकाशन सम्भव हो पाया। साथ ही संपादक मंडल का योगदान सराहनीय है। पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं की मौलिकता का उत्तरदायित्व रचनाकारों का होगा। रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों से संपादक मंडल का सहमत होना आवश्यक नहीं है। हमें विश्वास है कि पत्रिका में संकलित रचनाएं आपको पसंद आयेंगी, आपके बहुमूल्य विचारों, सुझावों की भी प्रतीक्षा रहेगी ताकि भविष्य में '**चिरबोधिनी**' का आगामी अंक वर्तमान से अधिक परिष्कृत बन सके, संपादक मंडल का यही प्रयास होगा। इस विश्वास के साथ 'चिरबोधिनी' का यह संयुक्तांक आपके समक्ष है।

डॉ0 नीता शाह
प्रधान संपादक

स्व0 चन्द्र सिंह शाही राजकीय महाविद्यालय : एक परिचय

गंगा गोदावरी चैव नर्मदे ताम पादिका।
सरस्वती सरयू रेवा पंच गंगा प्रकृतिता।।

गिरिराज हिमालय के मध्य में स्थित सात गंगाओं में से एक सरयू गंगा (जो भगवान विष्णु के वामपाद से निकलकर हम सभी को कृतार्थ करती है, जिसका उद्गम स्थान बागेश्वर जनपद के ग्राम पंचायत-झूनी विकास खण्ड कपकोट से लगभग 07 किमी0 दूर स्थित सरयूमूल (सरमूल) है, के पवित्र तट पर ग्राम पंचायत असों में अवस्थित राजकीय महाविद्यालय कपकोट की स्थापना वर्ष 2005 में हुई। माननीय मुख्यमंत्री हरीश रावत जी की घोषणा तथा शासनादेश उत्तराखण्ड शासन उच्च शिक्षा अनुभाग-07, कार्यालय ज्ञाप संख्या 786(1) XXIV(7)/23 (घो0) 2015, देहरादून दिनांक 30 जुलाई 2015 द्वारा राजकीय महाविद्यालय कपकोट का नाम परिवर्तित कर स्व0 चन्द्र सिंह शाही राजकीय महाविद्यालय कपकोट कर दिया गया। सत्र 2006-07 में कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल से स्नातक स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, चित्रकला, गृहविज्ञान, अर्थशास्त्र विषयों की अस्थाई सम्बद्धता प्राप्त होने के साथ ही 67 छात्र-छात्राओं के प्रवेश के साथ पठन-पाठन का शुभारम्भ हुआ। तब से अद्यतन शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों के विकास में स्थानीय बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों के सक्रिय सहयोग, प्रयासों से महाविद्यालय निरन्तर विकास पथ पर अग्रसर है। वर्तमान में महाविद्यालय में हिन्दी, संस्कृत अंग्रेजी, चित्रकला, गृहविज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, शिक्षाशास्त्र विषय संचालित है। हिन्दी, संस्कृत, चित्रकला, गृहविज्ञान विषयों में स्नातकोत्तर स्तर पर कक्षाऐं सत्र 2019-20 से संचालित हो गई हैं।

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा वित्तपोषित महाविद्यालय का नवनिर्मित भवन तथा केन्द्र सरकार की रुसा परियोजना द्वारा वित्तपोषित कम्प्यूटर केन्द्र का भवन महाविद्यालय को प्राप्त हो चुका है, जिसका लाभ छात्र-छात्राऐं ले रहें हैं।

यह महाविद्यालय विश्वविद्यालय अनुदान अयोग नई दिल्ली की धारा 2 (f) में पंजीकृत है।

महाविद्यालय में छात्रों को कैरियर के विषय में चयन, तैयारी और नियोजन सम्बन्धी परामर्श हेतु कैरियर काउन्सलिंग एण्ड प्लेसमेण्ट सेल का गठन किया गया है, जिसका उ छात्रों की अनिश्चितता, बेचैनी तथ भावनात्मक तना निवारण करना है, ताकि वे सुदृढ़ तथा सशक्त होक निर्णय ले सकें। प्रतियोगी परीक्षाओं, साक्षात्कारों एवम् व्य विकास के परिप्रेक्ष्य में यहाँ व्याख्यानों और सेमिना आयोजन भी किया जाता है। साथ ही निजी और सरकार में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये ज छात्र एवम् छात्राओं के लिए वाचनालय की व्यवस्था है, हिन्दी व अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र तथा पत्रिकाऐं जाती है ताकि वे अपने खाली वादनों में पत्रिकाऐं पढ़ कर का सदुपयोग कर सकें।

वर्तमान में महाविद्यालय में छात्र-छात्राअ एन0सी0सी0 में 100 सीटें है तथा शिक्षणेत्तर कार्य द्वारा समाज की सेवा हेतु स्नातक स्तर पर एन0एस0एस दो इकाईयां कार्यरत हैं, जिसमें निर्धारित 100 छात्र-छ की संख्या के आधार पर कुल 200 छात्र-छात्राओं का पंज किया जाता है। महाविद्यालय में क्रिकेट, वॉलीवाल शंतरज एवम् बैडमिन्टन आदि की व्यवस्था है।

स्व0 चन्द्र सिंह शाही राजकीय महाविद्या उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र एवम् कार्यालय वर्ष 2010 से संचालित किया जा रहा है स्नातक, स्नातकोत्तर डिग्री, डिप्लोमा आदि पाठ्यक्रम सं हो रहे है।

छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण चारित्रिक विकास सभी विषयों में परिषद एवम् महाविद्यालय में सांस्कृतिक का गठन प्रत्येक वर्ष किया जाता है। छात्राओं को सुरक्षा प्रदान करने व उनकी समस्याओं का समाधान हेतु शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया है

उत्तराखण्ड शासन एवम् उच्च शिक्षा निदेशा निर्देशानुसार महाविद्यालय में ड्रेस कोड लागू है। इस महाविद्यालय क्षेत्र के विकास एवम् युवाओं को रोजग क्षेत्रों से जोड़ने की दिशा में सतत् प्रयासरत् है।

❖❖❖

स्व0 चन्द्र सिंह शाही जी एक परिचय

प्रख्यात स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी स्व0 चन्द्र सिंह शाही जी का जन्म 12 अगस्त 1909 को ग्राम असों (कपकोट), जनपद-बागेश्वर में हुआ था। देश सेवा की भावना से ओत-प्रोत होकर 17 फरवरी 1941 ई0 को उन्होंने प्रथम बार व्यक्तिगत सत्याग्रह किया तथा स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान अल्मोड़ा बरेली, लखनऊ आद्रि जेलों में भी बन्द रहे। 17 दिसम्बर 1944 ई0 को कपकोट में मंडल कांग्रेस की स्थापना की और मंत्री बने। 1948 से 1958 तक वे जिला बोर्ड अल्मोड़ा के निर्वाचित सदस्य रहे। शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग दिया। 1950 में असों में जूनियर हाईस्कूल खोलने में महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा क्षेत्रीय स्तर पर बच्चों की शिक्षा को नया आयाम देने के लिये इस विद्यालय को हाईस्कूल तथा इण्टरमीडिएट बनाने में अभूतपूर्व योगदान दिया। स्व0 चन्द्र सिंह शाही ने बागेश्वर से कपकोट तक श्रमदान से सड़क बनवाई। सड़क निर्माण में दानपुर के प्रत्येक गांव के नागरिकों ने सहयोग दिया। सामाजिक कार्यों को करने में उनकी विशेष रुचि रही। क्षेत्र के चहुँमुखी विकास हेतु उन्होंने अन्धविश्वास, रूढ़िवादिता तथा अशिक्षा को दूर करने का प्रयास किया। स्व0 चन्द्र सिंह शाही को स्वतन्त्रता संग्राम में स्मरणीय योगदान के लिये राष्ट्र की ओर से स्वतन्त्रता के 25 वें वर्ष के अवसर पर 15 अगस्त 1972 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा ताम्रपत्र भेंट किया गया। 12 मार्च 1988 को उनका देहान्त हो गया। आज भी कपकोट (बागेश्वर) क्षेत्र उनके अविस्मरणीय कार्यों को याद करता है। स्मरणस्वरूप उन्हीं के नाम पर सरकार द्वारा इस महाविद्यालय का नामकरण किया गया। स्व0 चन्द्र सिंह शाही जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की प्रेरणा लेकर कपकोट क्षेत्र के युवा अपने प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करेंगे।

Some important tricks of Indian History

By Kanchan Mishra [BA 3rd sem

1. बौद्ध धर्म के चार सम्मेलन स्थान व शासन-

RAVA PAKA

Trick	स्थान	शासन	(अका अक)
RA	राजगृह	अजातशुत्रु	- अ
VA	वैशाली	कालाशोक	- का
PA	पाटलियपुत्र	अशोक	- अ
KA	कुण्डलवन	कनिष्क	- क

2. जैन संगीतियाँ - पाव

प पाटलिपुत्र- प्रथम संगीति

व वल्लभी- द्वितीय संगीति

3. मगध सम्राज्य के वंश ''हसीन मासूका के साथ''

ह- हर्यक वंश मा- मौर्य वंश सा- सात्रवाहन

सी- शिशुनाग वंश स् - शुगं वंश

न- नन्द वंश का- कण्व वंश

4. दिल्ली सल्तनत के शासक ''गुड़ खा तसले में''

गुड- गुलाम वंश (1206-1290)

खा - खिलजी वंश (1290-1320 ई0)

त - तुगलक वंश (1320-1414)

स - सैयद वंश (1414-1451)

ल -लोदी वंश (1451-1526 ई0)

5. बाबर द्वारा जीते गए चार युद्ध -

पानी पीकर, खाना खाकर, चन्देरी चली, धाधरा पहनकर

पानी पीकर- पानीपत का युद्ध (1526ई0)

खाना खाकर- खनवा का युद्ध (1527 ई0)

चन्देरी चली- चन्देरी का युद्ध (1528ई0)

धाधरा पहनकर- धाधरा का युद्ध (1529ई0)

6. मुगल साम्रज्य के शासक BHAJSA

B बाबर H हूमायूँ A अकबर

J जहाँगीर S शाहजहाँ A औरगजेब

7. महमूद गजनबी के समय विद्वान FUFA (फूफा

F फारुखी U उल्बी

F फिरदौसी A अलबरुनी

8. भारत में यूरोपीय कंपनियों का आगमन का क्रम

''पुत्र अड़ा डैड फसा''

पुत्र - पुर्तगाली (1498)

अ- अंग्रेज (1600)

ड़ा- डच (1602)

डैड- डैलिस (1616)

फ- फ्रांसीसी (1664)

सा- स्वीडिश (1731)

बीस साल की उम्र में इन्सान अपनी इच्छा से चलता है, तीस में बुद्धि से और चाली
अपनें अनुभव से। (बेंजामिन फ्रैंकलिन)

GST
[Goods &Service Tax]

BY: Kanchan Mishra
B.A. V Sem.

After 72 years of Indian independence the massive economic change happened in the year 2017 when the central government introducel the GST bill. GST stands for the goods and services tax. It is a substitute tax for previous 18 indirect taxes of Indian economy. It is a value added tax [VAT} proposed to be a comprehensive indirect tax levied on manufacture, sale and consumption of goods as well as service at the national level. It will replaced all indirect taxes levied on goods and service by the Indian Central and State Governments.

GST is applied to all goods other than crude petroleum, motor spirit , diesel , aviation turbine fuel and natural gas . It is applied to all service barring a few to be specified with the increase of international trade in service , GST has become a global standard. The presentags tax system levied is Central GST and State Government GST. Every coin has two sides , even this concept of GST his its own positive and negative Aspects .

Positive Aspects are :

[1] Firstly main reason to implement GST is to abolish the cascading effect on tax. A product on which excise duty is paid can also be liable for VAT .

Let, suppose a product 'X'is manufactured in a factory . As soon as its releases from factory , excise duty has to be paid to Central Government . When that product X is sold in same state then VAT has to be paid to State Government . Also no . credit on excise duty paid can be taken against output VAT.This is termed as cascading effect since double tax is levied on same product.

[2] Secondly, The GST is being introduced to create a common market across states , not only to avoid enfeebled effects of indirect tax but also to improve tax compliance.

[3] GST led a more transparent and neutral manner to raise revenue .

[4] Price reduction as credit of input tax is available against output tax.

Negative Aspects are:

[1] GST is being referred as a single taxation system but in reality it is a dual tax in which state and center both collect separate tax on a single transaction of sale &service

[2] Majority of dealers are not covered with the central excise but are only paying VAT in the state. Now all the VAT dealers will be required to pay 'Central Goods and Service tax'.

So Implemention of GST is one of the best decision taken by the Indian Government . For the same reason , July 1st is celebrated as financial independence day in India when all the Members of Parliament attended the function in Parliament House.

To conquer oneself is a greater task than conquering others

माँ प्यारी-प्यारी

कंचन मिश्रा
बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर

सबसे प्यारी, सबसे न्यारी
'जग' की दुलारी,
ये होती है, मम्मा प्यारी,
जो रहती है धूप में,
पर रखती बच्चे को छांव में
खाती अपना रुखा-सूखा
जब बच्चा होता है भूखा।
सबसे प्यारी मम्मा प्यारी
पाल-पोस कर बड़ा ये करती
और बच्चे के दुखों को हरती
होता है जब बच्चा बड़ा
बन जाता है चिढ़चिढ़ा
माँ लगती है उसको भारी
जब निभाएँ वो दुनियाँ दारी
वो भूल जाता है माँ के बलिदानों को
याद रखता है अपने अहसानों को ।
सबसे प्यारी
माँ देख वो कहता ये है बुढ़िया नारी
पर माँ उसे देख कहती - बेटा ये है दुनियादारी,
वरना मेरा बच्चा है, लाखों हजारी
ये देख सुन मन डोले
क्यों माँ तू झूठ बोले
तेरा बच्चा न रहा, अब तेरा
क्यों है? वो तेरी जान का बसेरा
माँ आँसू छिपाते हुए बोली-
जैसा भी है बच्चा मेरा
ये है लाड़- दुलारा मेरा
फिर से मन बोले
''माँ तू क्यों झूठ बोले, तेरा बच्चा न है हजारी
वो तो तू है लाखों में प्यारी''
सबसे प्यारी, सबसे न्यारी
मम्मा प्यारी -प्यारी।

नन्ही बेटी

प्रिया, बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर

धरती पर जन्म लेते ही,
बन गयी, आँखों का काँटा
छोटी नन्ही मासूम सी थी,
छोड़ दिया अपनों ने साथ ।
बेटी के रुप में जन्म लेकर
माँ का आँचल छू न पायी
पालनहार पिता के कभी,
गोद नहीं बैठ पायी।।
माँ ने कहा पराया धन
सास ने कहा पराई बेटी
कभी किसी का प्यार न पाया
बन गयी संसार से अनजान
बेटी जग निर्माता है वही जग की माँ है
वही सारे जग को खुशियां देती।
पर यही जग बना उसका दुश्मन,
निगल गया उसकी खुशियों को ।।
हुई बड़ी कुछ सपने देखे
मन में अरमानों के सेज सजाये
पर भेदभाव भरी इस दुनिया में
बन गये सारे सपने अंगारे।।
हुई वह अपनों से पराई
दुनियाँ ने उसको ठोकर मारी
सपनों को टूटते देखा,
सह न पायी यह बेटी।।
सूरज की एक नयी किरण ने
जगायी मन में एक नयी उमंग
आसूं पोछ हुई वह खड़ी
चली भेदभाव की दीवार तोड़ने
मेहनत ईमानदारी दृढ़ संकल्प से
होगी यह बेटी जरुर कामयाब
हम भी इसके साथ चलेंगें
देंगे इसके हाथों में हाथ।।
यही मेरी तमन्ना सबसे
बनाये बेटी का भविष्य उज्ज्वल।।

संस्कारों की परम्परा

ममता दानू, पंचम सेमेस्टर

संस्कारों की परम्परा से भारत रहा महान
संस्कारों की गरिमा से भारत रत्नों की खान
संस्कारों से मानव बने बने वह स्वाभिमान
न रहे किसी प्रकार का उसमें अभिमान

संस्कार ही कर लेते है मन चाहा निर्माण
संस्कारों की ही परम्परा जिसने
घर-घर दीये जलाये
हर बसन्त ऋतु में ही
इसने हर घर में फूल खिलाये

लेकिन संस्कारों को जब से
देश गया है भूल
तब से हर घर में
नहीं खिलते फूल
संस्कारों की परम्परा से भारत रहा महान

मुझे स्वीकारो मम्मी

पूजा उपाध्याय, बी0ए0 तृतीय

दादा तुम वट वृक्ष हो, मैं नहीं हूँ क्या तुम्हारा अंश?
मुझको आ कर झेलने है दुनिया का हर दंश
फिर पोते से ही भला चलता है क्यूँ वंश?
मुझे स्वीकारो दादा, न असमय मारो दादा
दादी सब हैं एकमत, तुम घर की सरताज
तेरी सुलझी सोच से बनते बिगड़े काज।
तुम चाहो तो मैं जिऊँ, टले खड़े यमराज।
मुझे स्वीकारो दादी, न असमय मारो दादी
पापा, ये बिटिया तुम्हें करती पल-पल याद,
खेलूँ, तेरी गोद में बस इतनी फरियाद।
आएगी कैसे हँसी, पापा मेरे बाद?
मुझे स्वीकारो पापा, न असमय मारो पापा।
माँ को भी समझाओ क्या है बेटी का अर्थ।
आँचल, कंगन, बेटियाँ, नारी सदा समर्थ।
कन्या हूँ क्या इसलिए मेरे साथ अनर्थ?
मुझे स्वीकारो मम्मी न असमय मारो मम्मी।

लोक गीत

दीपा
पंचम

''पाजी दे सातु सामल धोई दे लुकुड़ा
भोले जा हुँ हुण देश बकर दगाढ़।
बकर छः सोल शेर बीस, शेर भार।
चार खेप भेड़ो बोकी, बाकोरी लाचार।
चार हाथ खुटा खिति जीभ तानि भ्यार।
गुसैं थे बाकर कूंछ आशीष हु भ्यार।
भ्यर बोझ धरी लिया अपनी पुठिया।
गुसैं थे बाकर कूंछ आशीष हुँ भ्यार।
भ्यार बोझ धरी लिया अपनी पुठिया।
भल है रया मेरी स्यो मैं जाछूँ छुटी माँ।
पाजी दगाढ़ा।
ग्यारह बरस में चेली है गे बिवानी।
चेली चौदह बरस में है गे जतक्याली।
सुतक्याली बिचारी को है जा छ हैरान।
ऊजा टूटी गिजा तानि करनी बयान।
बुआ तुमी बची रया धरती को चारा।
भल है रया मेरी स्यों मै बगी जादूँ गाढ़।
पाजी दे दगाढ़ा।
अठ्ठारह बरस वे पेली चेली नी बिवाया।
पढाया-लिखाया उकै जागरुक बणाया।
जन्म वे पेली इनै न मारिया यो पाप नी कि
जीणो को अधिकार उकै, उकै नि छिनिया
हमरी अरज सुणो, ओ दीदी, औ भुली,
चेली ने बचाओ सब चेली ने पढ़ाओ।

गरीबी हिंसा का सबसे बुरा रुप

साक्षात्कार एक नारी से

डॉ. नीता शा

सहायक प्रोफेसर, हिन्

लगभग रात के बारह बजे,
निद्रामग्न जैसे ही होने वाली थी मैं।
भूचाल जैसा आता,
महसूस हुआ मुझे।
लगा जैसे कक्ष मेरा,
अंधकार के गर्त में डूब रहा।
और मैं भी गहरी खाई में,
गिरती जा रही हूँ।
कुछ क्षणोंपरान्त जैसे,
भूचाल वह शान्त हो गया।
अकस्मात एक प्रकाश पुंज सा,
मेरी आँखों के आगे छा गया।
यह क्या-क्या अचानक मन में,
एक प्रश्न सा कौंध उठा।
तभी वही प्रकाश पुंज,
धीरे, धीरे मानव आकृति में।
होने लगा परिवर्तित,
सहमी सी, विस्मित सी मैं।
उसे रही देखती,
अतिशीघ्रता से उस प्रकाश पुंज ने।
श्वेतवसना स्त्री का,
रूप था घर लिया।
खुली काली लट, सिंदूर सुशोभित ललाट,
अलौकिक तेज, खनकती हाथों में चूड़ियाँ।
गले में सुहाग का प्रतीक,
था एक पड़ा मंगलसूत्र।
यह आकृति और कोई नहीं,
थी एक साकार भारतीय नारी का रूप।
पूछने पर गदगद कंठ,
दिया उसने उत्तर।
कौन हूँ मैं? यह तो,
जानती मैं भी नहीं।
खो चुके अपने अस्तित्व को,
ढूँढने मैं यहीं हूँ आई।
न समझने पर मेरे,
पुनः वह बोली।
ढूंढो मुझमें अपना प्रतिबिम्ब,
मैं भी एक नारी हूं।
जो इस पुरुष प्रधान समाज में,
अपमान, अत्याचार, सहती।
है जीवन व्यतीत करती रही,
हैं तुम और मैं एक ही।
नाम अलग-अलग,
परन्तु पलकों में बसे।
सपने हैं एक,
एक इच्छा, व्यथा, सोच एक है।
पुनः समझाती हुई बोली,
मैं ही आदिकाल से।
सृष्टि की गाड़ी को,
खींचती हूँ आई।
मैं ही ममतामयी माँ बहन,
पतिव्रता पत्नी, आज्ञाकारी पुत्री हूँ।
मैं ही काली, दुर्गा हूँ,
मैं ही सीता, द्रौपदी हूँ।
जिसे अग्नि परीक्षा, चीर हरण सहना पड़ा,
कहा मैंने- आप महान हैं।

परन्तु यहां किस प्रयोजन हैं आई?
बोली एक लम्बी साँस लेकर वह।
मैं न्याय आज यहाँ हूँ लेने आई।
जिस संतान को पालपोस बड़ा किया,
वही क्यों मुझे आश्रयहीन बना देता?
जिस परिवार की मैं देखभाल करती,
वही मुझे क्यों अकेला छोड़ देता?
पति की मृत्यु पर क्यों मुझे ही,
श्वेत वसन पड़ता है पहनना?
दहेज के नाम पर क्यों,
मुझे जलाया जाता है?
क्यों मेरा ही शोषण होता?
क्यों मेरी ही भ्रूण हत्याएं?
आखिर क्यों मैं अत्याचार सहती?
आखिर क्यों?
कहे गये उसके एक-एक शब्द,
अन्तर्मन में मेरे उथल-पुथल मचाने लगे।
तभी वह बोली पुनः,
जो कुछ मेरे साथ घटित हुआ।
तुम्हारे साथ भी घट सकता कभी,
अमानवीय व्यवहार तुम्हें भी,
सहना पड़ सकता है कभी।
बोलो क्रान्ति सृजन में,
दोगी तुम मेरा साथ।
लौटाओगी क्या मेरा खोया अस्तित्व?
मैं द्विविधा में रही पड़ी।
अकस्मात् वह मानव आकृति,
प्रकाश पुंज में हो गई परिवर्तित।
सहसा मुझे हुआ महसूस,
एक आवाज सी कक्ष में गूँजती रही।
मत भूलो, तुम भी नारी हो।

❖❖❖

बेटी बचाओ

नीलम ऐठानी,
बी.ए. तृतीय सेमे.

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
कन्या जन्म पर खुशी मनाओ
बेटी शान बढ़ाती है।
बेटी ज्ञान बढ़ाती है
बेटी धर्म निभाती है।
बेटी बचाओ
कन्या जन्म.....
बेटी अगर न होगी तो
सारे रिश्ते खो जाते
माँ, बहना, चाची, भाभी,
तुम मौसी किसे बुलाओगे
बेटी रिश्ते बनाती है
बेटी रिश्ते निभाती है
बेटी बचाओ
कन्या जन्म.....
बेटी अगर न होगी तो
बेटे का कैसे होगा ब्याह?
ब्याह नहीं होगा बेटे का
पोता कैसे पाओगे?
बेटी वंश बढ़ाती है
बेटी बचाओ
कन्या जन्म पर खुशी मनाओ।

महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर काव्य गोष्ठी में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कवितायें

कंचन मिश्र
बी0ए0 तृतीय सेमेस्ट

भारत माता अंधियारे की,
काली चादर में लिपटी थी।
थी पराधीनता की बेड़ी,
उनके पैरों से चिपटी थी।

था हृदय दग्ध, धूं-धूं करके,
उसमे ज्वालायें उठती थीं।
भारत माँ के पवित्र तन पर,
गैरों की फौजें पलतीं थीं।

गुजरात राज्य का एक शहर,
है जिसका नाम पोरबंदर,
उस घर में उनका जन्म हुआ,
था चमन हमारा धन्य हुआ।

दुबला-पतला छोटा मोहन,
पढ़-लिखकर भारत माँ की शान बना।
था सत्य, अहिंसा, देश प्रेम,
उसकी रग-रग में, भिदा सना

उसके एक-एक आवाहन पर,
सौ-सौ जन दौड़े आते थे।
सत्य-अहिंसा दो शब्दों के,
अद्‌भुत शस्त्र उठाते थे।

गोरों की, काली करतूतें,
जलियावाले बागों का गम।
रह लिए गुलाम, बहुत दिनों तक,
अब नहीं गुलाम रहेंगे हम

अब अस्वच्छता, भ्रष्टाचार की बेड़ी,
से सने हुए है, हम।
अगर करें कोशिशें,
तो इसके भी नहीं गुलाम रहेंगे हम।

❖❖❖

अगर तुम नहीं होते बापू

आनंद बोरा
बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर

अगर तुम नहीं होते बापू, क्या होता फिर हमारा?
उपकार कैसे भूलें, यह गुलसिता तुम्हारा।
अगर तुम नहीं होते बापू क्या होता फिर हमारा।
व्यापारी बनके आये, इंग्लैण्ड से पराये।
धीरे से रुप बदला, पर हम नहीं समझ पाये।
अगर तुम नहीं होते बापू तो क्या होता हमारा?
शैतानों के दम पर कब्जाया मुल्क हमारा।
तुम सत्य अहिंसा के प्रतिमान बनके आये।
भारत की अस्मिता के समान बनके आये।
तेरी पुकार सुन कर उमड़ा बापू देश सारा।
अगर तुम नहीं होते बापू क्या होता फिर हमारा?
इतना सरल स्वभावी दुनिया में कौन होगा?
जिसकी सुने हिमालय वो इतना मौन होगा।
अचरज करे जमाना कैसे जिन्दगी हारा?
अगर तुम नही होते बापू क्या होता फिर हमारा

❖❖❖

मैं नोटों पे छपा हुआ गाँधी

हंसा कुँवर
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

मैं नोटो पे छपा हुआ गाँधी हूँ।
सत्ता का भूखा नही, देश का वफादार हूँ।
परतन्त्रता मुझे मंजूर नहीं,
मैंने कहकर नहीं करके दिखाया है।
आज जो स्वतन्त्र भूमि तुम्हें मिली है।
सदियों से जान देकर इसे छुड़ाया है।
आसान है गलती निकालना,
तकलीफों के लिए दोष देकर जाना,
अरे मैने तो अंग्रेजो को बाहर खदेड़ा था,
तुम कूड़ा तो फेंक कर दिखाओ,
हमने स्वतंन्त्र भारत दिया था तुम्हें,
तुम स्वच्छ भारत तो देकर जाओ।
भले ही न कहो इसे गाँधी जयन्ती
इसे स्वच्छ भारत का आवरण तो चढ़ाओ।

❖❖❖

दुनिया महान व्यायाम शाला है जहाँ हम
खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।

–विवेकानन्द

अच्छे लोगो को जिम्मेदारी से कार्य करने के लिए कहने के लिए कानूनों की आवश्यकता नही होती जबकि बुरे लोग कानूनों के आस-पास एक रास्ता खोज लेंगे।
–प्लेटो

दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल

कमलेश गड़िया
बी.ए. पंचम सेमेस्टर

दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल,
छोड़ दिया सबको पीछे, अस्त्र बिना हथियार।
मिशाल है तू, मिशाल बना रहेगा,
इन अपंग कुर्सियों की दलाली से सचेत रहना।
तेरी लड़ाई में चली ना बंदूक,
बेचने आये थे जो देश उन्हें किया विदा।
तेरी याद दिलो-दिमाग में रहेगी सदा।
तेरी लड़ाई का करते आज भी सम्मान।
न धर्म, न जाति का किया तूने अपमान।
मील का पत्थर हुआ है तू तो साबित
तेरे जैसा बन सकेगा न कोई काबिल।
हस्ती तेरी थी एक छोटी सी कोठी,
लेकिन हिमालय जैसा था वह दमदार।
कर्तव्य ऐसा कर तूने कर दिया कमाल,
तेरे जैसे सन्त का रहेगा हमेशा मलाल।
मांगा था तूने अगर कुर्सी, तो दे दूँगा जबाब
साबरमती के उस सन्त से कोई नहीं सवाल।
हस्ती तेरी लटकी है दीवारों पर,
आंसू निकलते हैं, होते जब तुझ पर वार,
सत्ता के बिना भी तू था बेमिसाल।
राजनीति के लिए तुझे कर दिया बदहाल,
अपना सब न्यौछावर किया, खुद पिया था जहर,
सजी जब गांधी की चिता रोया महाकाल।
नेता बनना है अगर तो, है न कोई गांधी से बढ़कर,
हाथ जोड़ कर विनम्र प्रणाम।
लो राजनीति से हटकर, उस बापू का नाम।

❖❖❖

कॅरिअर काउन्सलिंग सेल

महाविद्यालय में एक कॅरिअर काउन्सलिंग सेल का गठन किया गया है। इस सेल के मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्र/छात्राओं को अध्ययन् के साथ-साथ अध्ययनोपरान्त अपनी रुचि व लक्ष्य के अनु प्रोफेशन (कार्य-व्यवसाय) चयन में मदद पहुँचाना। इसके लिए यहाँ अध्यापन में लगे सभी प्राध्यापक अपने-अपने वि से सम्बन्धित क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में, इसके लिए निर्धारित प्रतियोगिता परीक्षाओं के बारे में अध्ययन सामग्री के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषयों को हैं। इसके लिए प्रति माह दो कक्षाऐं संचालित की जाती हैं।

इसके अतिरिक्त जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गयी रोजगार से सम्बन्धित सूचनाओं छात्र/छात्राओं को अवगत कराया जाता है। जिला सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण की प्रक्रिया तथा विभिन्न सेवा लिए निर्धारित योग्यता, मानदण्ड, परीक्षा, भर्ती की प्रक्रिया से सम्बन्धित लिखित साहित्य उपलब्ध कराया जा जिसमें थल सेना, वायु सेना और जल सेना, होटल प्रबन्धन, रेलवे सेवा, शिक्षा, बहुराष्ट्रीय कम्पनी, समूह ग बैंकि एन0जी0ओ0 तथा विभिन्न सरकारी सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है।

महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों के अतिरिक्त कपकोट परिक्षेत्र में संचालित सभी सरकारी संस्थानों कार्यालयों जैसे - एस0बी0आई कपकोट एवं खण्ड विकास कार्यालय कपकोट से भी अधिकारियों/कर्मचा अनुरोध कर उनके अपने अनुभव एवम् परीक्षा तैयारी के लिए आवश्यक विचारों को प्रदान करने के लिए आमंत्रित जाता है ताकि इस ग्रामीण अंचल के छात्र/छात्राओं का ज्ञान एवम् आत्मविश्वास का स्तर बढ़ सकें साथ ही प्र परीक्षाओं में उचित मार्गदर्शन हो सकें।

निश्चित ही इस तरह के प्रयासों से छात्र/छात्राऐं वर्षो से लाभान्वित होते रहे हैं तथा रोजगार चयन व क चयन में सहयोग प्राप्त करते है।

एन0सी0सी0

सत्र 2014-15 से इस महाविद्यालय में एन0सी0सी0 इकाई 70 कैडेट की संख्या के साथ आरम्भ हुई। 100 कैडेट इकाई सुचारु रुप से संचालित है। एन0सी0सी0 प्रभारी ले0डॉ0 मुन्ना जोशी द्वारा दिनांक 03.07.2017 9.2017 तक काम्प्टी (महाराष्ट्र) में पी0आर0सी0एन कोर्स सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया तथा महाविद्या छात्र/छात्रा (कैडेट) समय-समय पर एन0आई0सी0, ई0बी0एस0बी0, ए0टी0सी0, आर्मी अटैचमैण्ट कैम्पों में कर रहे है, जो 81 यू0के0 वटालियन बागेश्वर के अधीन संचालित हो रही है। महाविद्यालय स्तर पर इसका नेतृ डॉ0 मुन्ना जोशी (असि0प्रो0 संस्कृत) द्वारा किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

सत्र 2015-16

आख्यागत वर्ष में कार्यक्रम अधिकारी डा0 के0के0 पन्त एवं श्रीमती ममता सुयाल द्वारा एन0एस0एस0 इकाईयों में शत प्रतिशत पंजीकरण किया गया। इस सत्र का सात दिवसीय विशेष शिविर कार्यक्रम 12-12-2

18-12-2015 तक इण्टर कालेज असौं में आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय श्री ललित फर्स्वाण (विधायक कपकोट) द्वारा किया गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय श्री हरीश सिंह ऐठानी (जिला पंचायत अध्यक्ष बागेश्वर) उपस्थित थे। शिविर में नीरज भट्ट बी0ए0 तृतीय को सर्वश्रेष्ठ स्वयं सेवक शिविरार्थी के रुप में पुरस्कृत किया गया। एन0एस0एस0 के अन्तर्गत माह नवम्बर में स्वयंसेवियों द्वारा रक्तदान शिविर बागेश्वर में प्रतिभाग किया गया। माह जुलाई एवं अगस्त में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सत्र में रिया ऐठानी तथा रजनी आर्या, द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण शिविर हिमाचल प्रदेश में प्रतिभाग किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

सत्र 2016-17

आख्यागत वर्ष में कार्यक्रम अधिकारी डा0 के0के0 पन्त एवं श्रीमती ममता सुयाल के निर्देशन में स्वयं सेवियों द्वारा माह अगस्त में दिनांक 1-08-2016 से 15-08-2016 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया तथा माह नवम्बर में बागेश्वर में आयोजित रक्तदान शिविर में प्रतिभाग किया गया। इस सत्र का सात दिवसीय विशेष शिविर दिनांक 17-11-2016 से 23-11-2016 तक इण्टर कालेज असौं में आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन माननीय पूर्व विधायक प्रतिनिधि चामू सिंह देवली तथा समापन मुख्य अतिथि माननीय विधायक श्री बलवन्त सिंह भौर्याल द्वारा किया गया। इस विशेष शिविर में सुरेश राम को श्रीमान तनुज तिरुवा द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिविरार्थी के लिये पुरस्कृत किया गया। इसी सत्र में रिया ऐठानी, रजनी आर्या द्वारा शिमला, कविता देव, किरन उपाध्याय द्वारा हिमाचल तथा नीरज भट्ट द्वारा रोहतक (हरियाणा) में राष्ट्रीय शिविर में प्रतिभाग किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

सत्र 2017-18

आख्यागत वर्ष में माह अगस्त तथा सितम्बर में पर्यावरण मित्र श्री जगत सिंह मलड़ा जी के निर्देशन में बृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम एन0एस0एस0 द्वारा किया गया। माह अगस्त में कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती ममता सुयाल तथा सात स्वयं सेवियों द्वारा बागेश्वर के ब्लड बैंक के उद्घाटन में आयोजित रक्तदान शिविर में प्रतिभाग किया गया। इण्टर कालेज असौं में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर (10-11-2017, 16-11-2017) का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय विधायक श्रीमान बलवन्त सिंह भौर्याल जी द्वारा तथा समापन मुख्य अतिथि माननीय श्रीमान ललित फर्स्वाण (पूर्व विधायक कपकोट) द्वारा किया गया जिसमें किरन उपाध्याय को सर्वश्रेष्ठ शिविरार्थी के रुप में पुरस्कृत किया गया। इसी सत्र में प्रकाश राम द्वारा हिमाचल में आयोजित राष्ट्रीय शिविर में प्रतिभाग किया गया।

विभागीय गतिविधियां एवं प्रतियोगितायें- 2015-16 संस्कृत विभाग

क्र.सं.	प्रतियोगिता/गतिविधि	विषय	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	निर्देशन
1	निबन्ध	--	हीरा रौतेला बी.ए. तृतीय	हेमा कपकोटी बी.ए. तृतीय	--	डॉ. मुन्ना जोशी

राष्ट्रीय कैडिट कोर (एन.सी.सी.) द्वारा आयोजि विभिन्न कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

चित्रकला विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताऐं

चित्रकला विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताऐं

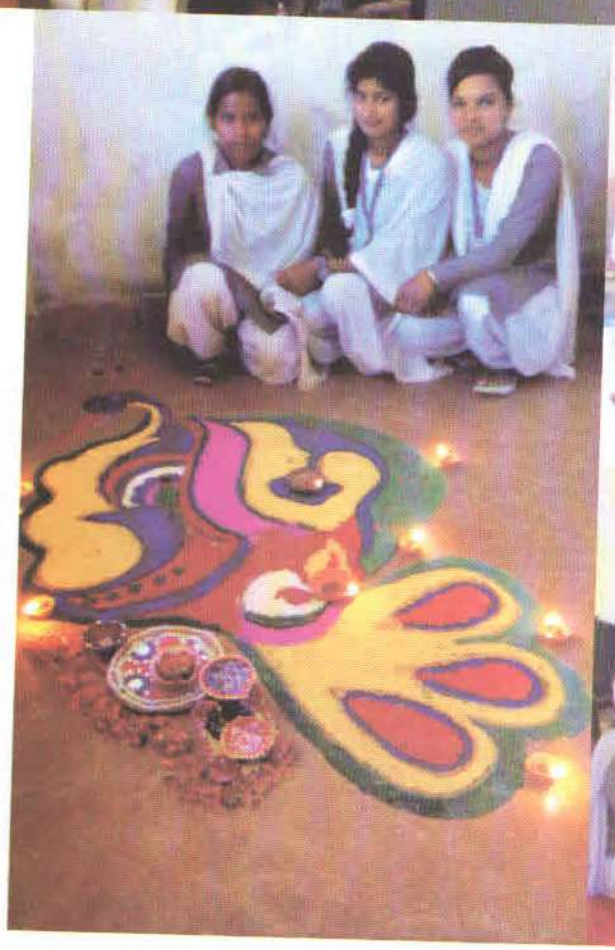

कम्प्यूटर प्रयोगशाला का निरीक्षण करते हुए वर्तमान विधायक माननीय श्री बलवन्त सिंह भौर्याल

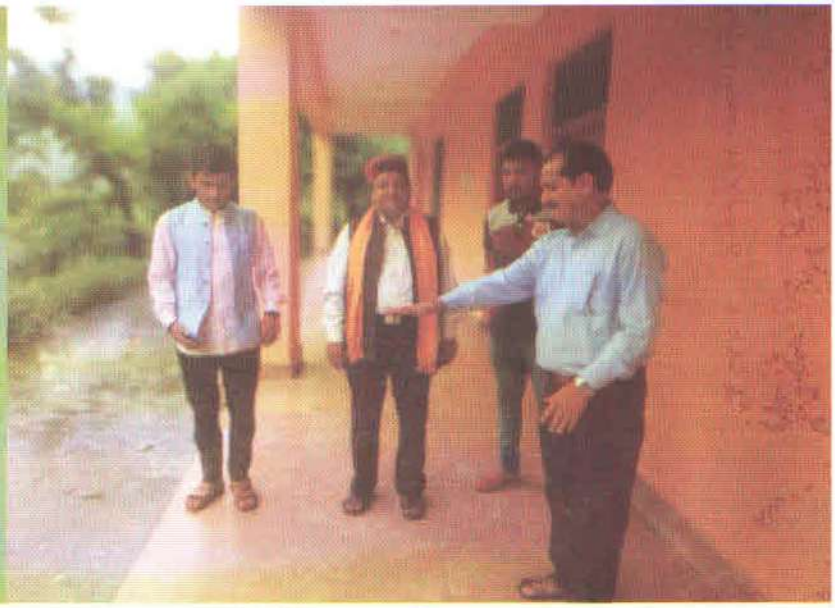

पूर्व प्राचार्य डॉ. जी.एस. रावत द्वारा छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

महाविद्यालय प्रशासनिक भवन का निरीक्षण करते हुए सांसद श्री प्रदीप टम्टा।

महाविद्यालय के फेसबुक पेज में विभिन्न गतिविधियाँ

15:21

← Gdc Kapkote

Gdc Kapkote

On the initiative taken by District Megistrate, Bageshwar
Beti Bachao, Beti Padao and Career Counseling Program organized by Women Empowerment and Child Welfare Department, Bageshwar at GDC, Kapkot

Gdc Kapkote

15:17

← Gdc Kapkote

64 2 2

Gdc Kapkote

Self Defence training at Degree College Kapkote by Nirbhaya Yojna, Bageshwar on 16.11.2019

GA Riya and 29 others

15:18

← Gdc Kapkote

Rishky Rohit Golu and 42 others

43 2

Gdc Kapkote is feeling happy.

World Smile Day celebration

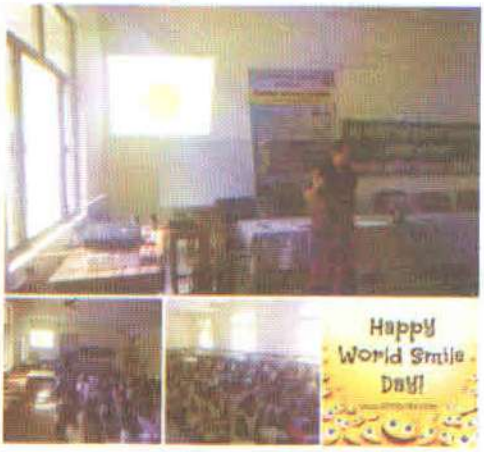

You, Sarica Agari and 29 others

15:16

← Gdc Kapkote

Gdc Kapkote

Career counseling session during seminar by Mr.Balveer Sharma from Central institute of Plastics Engineering and Technology, CIPET-Centre for Skilling and Technical support, Dehradun

महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी

स्व. चन्द्र सिंह शाही राजकीय महाविद्यालय कपकोट (बागेश्वर)

महाविद्यालय का नवनिर्मित कम्प्यूटर केन्द्र भवन

मतदाता सहायता केन्द्र में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

कपकोट में उर्मिला ने जीती फोटोग्राफी प्रतियोगिता

फोटोग्राफी दिवस

कपकोट | हमारे संवाददाता

विश्व फोटोग्राफी दिवस पर राजकीय महाविद्यालय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी फोटोग्राफी कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में सबसे सुंदर फोटो खींचने के लिए बीए प्रथम सेमेस्टर की उर्मिला बिष्ट को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में ...

अल्मोड़ा में फोटोग्राफरों ने सोमवार को फोटो वॉक का ...

अल्मोड़ा में फोटो वॉक का आयोजन

कपकोट महाविद्यालय में एमए की कक्षाएं शुरू

कपकोट महाविद्यालय में एमए की कक्षाओं के संचालन पर खुशी मनाते छात्र।

कपकोट | हमारे संवाददाता

... ऐठानी, शोभा मेहता, दीपा मेहता, भावना आदि ने बताया कि महाविद्यालय में तीन सौ के करीब छात्र हैं। जिनमें से 200 ...

कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीके नौरियाल ने कपकोट डिग्री कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षा के डिजिटलाइजेशन को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। छात्र-छात्राओं को शिक्षा व सहवर्ती रचनात्मक...

हिन्दुस्तान टीम, बागेश्वर

कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीके नौरियाल ने कपकोट डिग्री कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने कपकोट डिग्री कॉलेज को महत्वपूर्ण सुझाव ...

मौलाना अबुल कलाम आजाद को याद किया

हिंदी दिवस पर हुई कविता व विचार गोष्ठी

बागेश्वर। कपकोट डिग्री कालेज में हिंदी ...

लक्ष्य हासिल करने को दृढ़ निश्चय जरूरी

सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू

संस्कारवान शिक्षा के साथ चलें रोजगारपरक कोर्स

बागेश्वर के कपकोट महाविद्यालय ...

संसू, कपकोट: उच्च शिक्षा ... उन्नयन व नवाचार विषय पर ... आयोजन किया गया। मौके पर कालेज ... में संस्कारयुक्त शिक्षा साथ ...

परीक्षा में सफल होने के दिए टिप्स

तंबाकू के सेवन से लगातार बढ़ रहे कैंसर के मरीज

बागेश्वर के कपकोट महाविद्यालय में हुए कार्यक्रम में उपस्थित छात्र • जागरण

संसू, कपकोट: चंद सिंह शाही राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण ... प्रतियोगिताओं ... पर छात्र-... के बारे में ... दुष्प्रभाव ... अपील की ...

से पीड़ित व्यक्तियों की सं... बढ़ते जा रहे हैं। जिसका ... तंबाकू का सेवन करना है ... छात्र-छात्राओं से इसके लिए जनजागरूकता फैलाने के ... करने की अपील की। इसकी ... घर से ही शुरुआत क... सिगरेट पीने ...

संवेदीकरण कार्यशाला में कैरियर काउंसलिंग

अमर उजाला

न्यूज डायरी

प्रेमचंद की जयंती मनाई

छात्रों को बताए नशे के दुष्परिणाम

कपकोट। राजकीय महाविद्यालय मादक पदार्थों के सेवन से होने व दुष्परिणाम विषय पर गोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता जिला विधिक प्राधिकरण के ... कुमार ने नशे के बढ़ते चलन और ... युवाओं में पनप रही आपराधिक प्र... की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि युवा ही इस बुर... अंत कर सकते हैं। प्राचार्य डॉ ...

कार्ड बनाओ प्रतियोगिता में दानू प्रथम

कपकोट में प्रतियोगिता में बनाए गए कलात्मक कार्ड।

एनएसएस स्वयंसेवियों ने निकाली स्वच्छता रैली

... वाले छात्र-छात्राएं ... तरीके से समझ ... में ऐसा कुछ नहीं हो ... उच्च शिक्षा ग्रहण करने ... बढ़ रही हैं। यूजीसी ... और ध्यान देने की

सिंह दानू, पूर्व जिला ... हरीश ऐठानी, हरीश सिंह शाही, डॉ. ... एल्बा मंडेला, सरस्वती ... ध्यानी, नवीन सिंह, ... देवी सहित कई शिक्षक ... छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

कमला और कृष्णा बने पीटीए अध्यक्ष

कबड्डी में गोविंद, दीपा की टीम बनी विजेता

एनएसएस के स्वयंसेवियों ने ली स्वच्छता की शपथ

कपकोट (बागेश्वर)। राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीता साह ने स्वच्छता पखवाड़ा के प्रथम चरण में छात्र-छात्राओं को स्वच्छता शपथ दिलाई। शिविरार्थियों ने कालेज परिसर, कक्षों, पुस्तकालय भवन जाने वाले रास्ते की सफाई की। प्राचार्य डॉ. एके जोशी ने शिविरार्थियों को स्वच्छता के कई टिप्स दिए। यहां डॉ. मुन्ना जोशी, डॉ. पीके ओझा, बलवंत सिंह, दीपक आर्य, संगीता ध्यानी, हंसी देवी और नवीन सिंह आदि थे। ब्यूरो

कपकोट डिग्री कॉलेज में शौर्य दीवार का लोकार्पण

शहीदों को सम्मान

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग

वार्षिक उत्सव 2018 में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत एवं अतिथिजन

वार्षिक उत्सव 2019 में मुख्य अतिथि पर्यावरणविद वृक्ष मित्र श्री मलड़ा एवं छात्राओं की प्रस्तुति

वार्षिक उत्सव में छात्राओं की डांडिया नृत्य प्रस्तुति

वर्ष 2018 में नवागन्तुक विद्यार्थियों हेतु स्वागत समारोह

वर्ष 2018 एवं 2019 में नवागन्तुक विद्यार्थियों में से चुने गये मिस्टर एवं मिस फ्रेशर

महाविद्यालय के फेसबुक पेज में विभिन्न गतिविधियाँ

15:15

← Gdc Kapkote

Gdc Kapkote is with **Anand Bora Abvp Abvp** and **Avanindra Kumar Joshi**.

Activity under Anti-Drug cell
Awareness program about E-CIGARETTE and Tobacco prohibition , courtesy- Health Department, Kapkote, Bageshwar

← Gdc Kapkote

Gdc Kapkote

Lecture Program organized on the occasion of Indian Constitution Day at Government Degree College,Kapkote

Gopal Mehra and 36 others

37

15:20

← Your Post

On the occasion of World Photography Day, Photography Competition was organized by Department of English. Students presented photographs clicked by themselves showing nature, lifestyle and culture of Uttarakhand

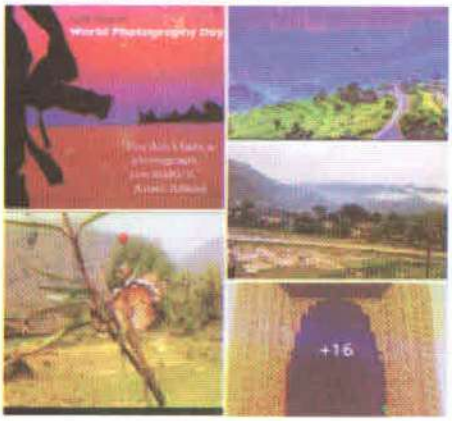

You, Vimla Joshi and 3 others

Write a comment

15:16

← Gdc Kapkote

Gdc Kapkote is with **SuniTa Siya Goswami** and **2 others**.

Students of GDC, Kapkot stood first in Folk Song at Yuva Mahotsava 2019 held at Kapkot
Congrats to the team and all the best for district level competition

Komal Barti and 74 others

महाविद्यालय परिवार-शैक्षिकगण (बांये से दायें)

डॉ. पी.के. झॉ-अर्थशास्त्र, श्रीमती ममता सुयाल-कला, डॉ. बी.सी. तिवारी- इतिहास, डॉ. नीता शाह- हिन्दी, कु० मंड्रेला-अंग्रेजी, प्रो. ए.के. जोशी-प्रधानाचार्य, डॉ. मुन्ना जोशी-संस्कृत, डॉ. कल्पना जोशी-समाजशास्त्र, कु. पूजा लोहिया विज्ञान, श्रीमती रेनू जोशी- शिक्षाशास्त्र।

कार्यालय स्टाफ-(बांये से दायें)

श्रीमती हंसी देवी-परिचालक, श्रीमती संगीता-लैब असिस्टैण्ट, कु. सरस्वती गर्ब्याल-लैब असिस्टैण्ट, प्रो. ए.के. प्रधानाचार्य, श्री दीपक आर्या-कार्यालय सहायक, श्री नवीन सिंह-परिचालक, श्री रोहित कुमार-परिचारक (नाईट गार्ड)

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग

पूर्व विधायक कपकोट माननीय श्री ललित फर्स्वान द्वारा छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

वर्तमान विधायक माननीय बलवन्त सिंह भौर्याल द्वारा महाविद्यालय में शौर्य दिवार का लोकार्पण किया गया

महाविद्यालय में उपस्थित निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. एस.सी. पन्त एवं उप निदेशक डॉ. ललित प्रभा शर्मा

चिरबोधिनी

संयुक्तांक : 2005 से 2019

S.C.S. GOVERNMENT DEGREE COLLEGE KAPKOTE BAGESHWER

स्व0 चन्द्र सिंह शाही राजकीय महाविद्यालय

कपकोट (बागेश्वर)